Seventeenth Loksabha

>

Title: The Speaker made references to the passing away of Dr. Sudheer Ray, member of the Eighth to Tenth Lok Sabhas; Shri Raja Paramasivam, member of the Twelfth Lok Sabha; Smt. Sushma Swaraj, member of the Eleventh, Twelfth, Fifteenth and Sixteenth Lok Sabhas; Shri Jagannath Mishra, member of the Fifth Lok Sabha; Shri Arun Jaitley, sitting member of the Rajya Sabha, Shri Sukhdev Singh, member of the Fourteenth and Fifteenth Lok Sabhas; Shri Ram Jethmalani, sitting member, Rajya Sabha and member of the Sixth and Seventh Lok Sabhas; Dr. Naramalli Sivaprasad, member of the Fifteenth and Sixteenth Lok Sabhas; Shri B.L. Sharma 'Prem', member of the Tenth and Eleventh Lok Sabhas; and Shri Gurudas Das Gupta, member of the Fourteenth and Fifteenth Lok Sabhas.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मुझे सभा को हमारे नौ भूतपूर्व सदस्यों और राज्य सभा के वर्तमान सदस्य - डॉ. सुधीर राय, श्री राजा परमाशिवम, श्रीमती सुषमा स्वराज, श्री जगन्नाथ मिश्र, श्री अरुण जेटली जी, श्री सुखदेव सिंह, श्री राम जेठमलानी, डॉ. नरमल्ली शिवप्रसाद, श्री बी.एल. शर्मा 'प्रेम' और श्री गुरुदास दास गुप्त के दु:खद निधन के बारे में सूचित करना है ।

डॉ. सुधीर राय पश्चिम बंगाल के बर्दवान संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से आठवीं से दसवीं लोक सभा के सदस्य थे ।

डॉ. सुधीर राय का निधन 85 वर्ष की आयु में 30 मार्च, 2019 को हुआ ।

श्री राजा परमाशिवम तमिलनाडु के पुडुकोट्टई संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 12वीं लोक सभा के सदस्य थे ।

श्री राजा परमाशिवम का निधन 56 वर्ष की आयु में 14 मई, 2019 को हुआ ।

श्रीमती सुषमा स्वराज एक उत्कृष्ट सांसद थीं और वे 11वीं, 12वीं, 15वीं और 16वीं लोक सभा की सदस्य रहीं । उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के दक्षिण दिल्ली और मध्य प्रदेश के विदिशा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया ।

श्रीमती सुषमा स्वराज तीन बार राज्य सभा और दो बार हरियाणा विधान सभा की सदस्य भी रहीं ।

श्रीमती सुषमा स्वराज ने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में सूचना और प्रसारण, दूरसंचार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, संसदीय कार्य, विदेश और प्रवासी भारतीय मामले की केंद्रीय मंत्री, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की मुख्य मंत्री एवं हरियाणा सरकार में श्रम और रोजगार, शिक्षा, खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दीं । वे लोक सभा में विपक्ष की नेता रहीं । वे प्रभावशाली वक्ता और भारतीय राजनीति में महिला प्रतिनिधित्व का प्रमुख चेहरा थीं । उन्होंने विदेश मंत्री के रूप में विदेश मंत्रालय को मानवीय चेहरा प्रदान किया । वे विदेश में फंसे किसी भी भारतीय के लिए संकटमोचक थीं ।

उनके निधन से देश ने एक ऐसा मानवतावादी व्यक्तित्व खो दिया है जिसने देश के सभी वर्गों के बीच विशेष स्थान बनाया था । राष्ट्र के लिए उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा । श्रीमती सुषमा स्वराज का निधन 67 वर्ष की आयु में 6 अगस्त, 2019 को हुआ ।

श्री जगन्नाथ मिश्र बिहार के मधुबनी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से पांचवीं लोक सभा के सदस्य थे । श्री जगन्नाथ मिश्र राज्य सभा के सदस्य भी थे और वे केन्द्रीय कृषि, ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्री भी रहे । वे बिहार के तीन बार मुख्य मंत्री भी रहे । श्री जगन्नाथ मिश्र का निधन 98 वर्ष की आयु में 19 अगस्त, 2019 को हुआ ।

श्री अरुण जेटली राज्य सभा के वर्तमान सदस्य थे और वे वर्ष 2000 से लगातार चौथी बार राज्य सभा के सदस्य थे । उन्होंने राज्य सभा में सदन के नेता और प्रतिपक्ष के नेता के रूप में भी कार्य किया । एक दक्ष, अतिसक्षम और प्रभावी प्रशासक श्री अरुण जेटली केन्द्रीय वित्त, रक्षा, विधि और न्याय, कंपनी कार्य, वाणिज्य और उद्योग, सूचना और प्रसारण तथा कारपोरेट कार्य मंत्री भी रहे थे । विलक्षण प्रतिभा के धनी सांसद श्री अरुण जेटली को वर्ष 2010 के लिए उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार भी मिला था । श्री अरुण जेटली एक मिलनसार व्यक्तिव के धनी थे और उन्हें विभिन्न विषयों की व्यापक जानकारी के साथ-साथ कानून का गहन ज्ञान था । उन्होंने देश के कल्याण के लिए नि:स्वार्थ और अथक परिश्रम से कार्य किया । देश ने अति सम्मानीय नेताओं में से एक नेता और राजनीतिज्ञ खो दिया है । प्रखर सांसद, प्रभावी वक्ता, कुशल व्यक्तिव के धनी श्री अरुण जेटली का निधन 66 वर्ष की आयु में 24 अगस्त, 2019 को हुआ । उनके निधन से रिक्त हुए स्थान को कभी भरा नहीं जा सकता ।

श्री सुखदेव सिंह 14वीं और 15वीं लोक सभा के सदस्य थे और उन्होंने पंजाब के फतेहगढ़ साहिब संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था । श्री सुखदेव सिंह राज्य सभा और पंजाब विधान सभा के भी सदस्य थे । श्री सुखदेव सिंह का निधन 86 वर्ष की आयु में 6 सितम्बर, 2019 को हुआ ।

श्री राम जेठमलानी छठी और सातवीं लोक सभा के सदस्य थे और उन्होंने महाराष्ट्र के पूर्ववर्ती बॉम्बे के उत्तर-पश्चिम संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था । वे राज्य सभा के वर्तमान सदस्य थे और पूर्व में भी राज्य सभा के 5 बार सदस्य रह चुके थे । उन्होंने विधि, न्याय और कंपनी मामले तथा शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालयों के केन्द्रीय मंत्री के रूप में भी अपनी सेवाएं दी थीं । श्री राम जेठमलानी प्रख्यात अधिवक्ता और विधि शिक्षाविद् थे और उन्होंने बार काउंसिल ऑफ इंडिया तथा इंटरनेशनल बार एसोसिएशन में विभिन्न पदों को सुशोभित किया था । श्री राम जेठमलानी का निधन 95 वर्ष की आयु में 8 सितम्बर, 2019 को हुआ ।

डॉ. नरमल्ली शिवप्रसाद 15वीं लोक सभा और 16वीं लोक सभा के सदस्य थे और उन्होंने आंध्र प्रदेश के चित्तूर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया । डॉ. नरमल्ली शिव प्रसाद आंध्र प्रदेश विधान सभा के सदस्य थे और आंध्र प्रदेश सरकार में सूचना और संस्कृति मंत्री के रूप में भी उन्होंने सेवाएं दी थीं । डॉ. नरमल्ली शिवप्रसाद का निधन 68 वर्ष की आयु में 21 सितम्बर, 2019 को हुआ ।

श्री बी.एल.शर्मा "प्रेम" राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के पूर्वी दिल्ली संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 10वीं और 11वीं लोक सभा के सदस्य थे । श्री बी.एल.शर्मा "प्रेम" का निधन 88 वर्ष की आयु में 28 सितम्बर, 2019 को हुआ ।

श्री गुरुदास दास गुप्त पश्चिम बंगाल के घाटल संसदीय क्षेत्र से 14वीं और 15वीं लोक सभा के सदस्य थे ।

श्री गुरुदास दास गुप्त तीन कार्यकाल तक राज्यसभा के भी सदस्य रहे थे । श्री गुरुदास दास गुप्त बहुत प्रभावशाली सांसद थे । उन्हें संसदीय प्रक्रियाओं और संवैधानिक उपबंधों की बहुत अच्छी जानकारी थी । संसद और संसदीय समितियों में अपने योगदान के माध्यम से उन्होंने उपेक्षित और श्रमजीवी वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित भाव से कार्य किया । श्री गुरुदास दास गुप्त का निधन 82 वर्ष की आयु में 31 अक्तूबर, 2019 को हुआ ।

हम अपने पूर्व साथियों के निधन पर गहरा शोक प्रकट करते हैं । मुझे विश्वास है कि यह सभा शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करने में मेरे साथ है ।

अब सभा में उपस्थित सदस्यगण दिवंगत आत्माओं के सम्मान में थोड़ी देर मौन खड़े रहेंगे ।

11.15 hrs

(The Members then stood in silence for a short while.)

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, बैठिए । मैं व्यवस्था दे रहा हूं ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: दादा, आप बैठिए ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, आप सबके प्रयासों से 17वीं लोक सभा का पहला सत्र हम सबके लिए अविस्मरणीय रहा । मैं सभी माननीय सदस्यों से आग्रह करूंगा कि जो विषय उन्होंने दिए हैं, उन सभी विषयों पर बीएसी मीटिंग के समय चर्चा होगी या अन्य विषय पर चर्चा होगी । सदन आपका है, मैं निश्चित रूप से सभी माननीय सदस्यों को अपने-अपने विषय को नियमों के तहत उठाने का अवसर दूंगा ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, आपको हर विषय पर अवसर देंगे ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, मैं आपको व्यवस्था दे रहा हूं, आपको प्रश्न काल के बाद निश्चित रूप से सारे विषय पर चर्चा करने का अवसर दूंगा ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, मैंने प्रश्न काल के बाद की व्यवस्था दे दी है ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: प्रश्न 1, श्री केसीनेनी श्रीनिवास ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, मैं आपको एक बार व्यवस्था दे चुका हूं । मैं व्यवस्था के अनुसार पालन करूंगा ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, आप प्रश्न पूछिए ।

…(व्यवधान)

11.20 hrs

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

माननीय अध्यक्ष : प्रश्न 1, श्री केसिनेनी श्रीनिवास ।

(Q. 1)

SHRI KESINENI SRINIVAS : Thank you Speaker Sir.

Sir, Andhra Pradesh is the first State to be created on linguistic basis in this country after our Independence. …(*Interruptions*) Sir, in India, our language defines our culture and tradition. We have Bengali culture, Gujarati culture, Kannada culture, Punjabi culture, Odia culture, Tamil culture, etc. …(*Interruptions*) According to Census 2011, there has been a decline in Telugu language speakers and Telugu has slipped to third place. So, it is important for the regional languages to be preserved, and culture and heritage to be passed on to the future generations. So, in view of this, what is the Ministry's plan to promote the language? …(*Interruptions*)

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक: माननीय अध्यक्ष जी, सरकार की भारतीय भाषाओं को सशक्त करने की नीति है और इसी नीति के तहत शास्त्रीय तेलुगु अध्ययन उत्कृष्टता केंद्र भारतीय भाषा संस्थान मैसूर से आंध्र प्रदेश में नेल्लोर में स्थानांतरित कर दिया गया है । …(व्यवधान) यह केंद्र 13 नवम्बर से शुरू हो गया है । उक्त केंद्र में तमाम प्रकार की गतिविधियां होंगी, तेलुगु भाषा में संगोष्ठियां होंगी, कार्यशालाएं होंगी, सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा, राष्ट्रीय अनुवाद मिशन उच्चतम शिक्षा की पाठ्य-पुस्तकों को तेलुगु शीर्षक सहित अनुवाद किया जाएगा और भारतमाला परियोजना जो तेलुगु भाषा में ज्ञान-पाठ के लिए कार्य करती है उसको भी पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा ।… (व्यवधान)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने वर्ष 2011 में हैदराबाद विश्वविद्यालय में तेलुगु भाषा-भाषी केंद्र का अनुमोदन कर दिया है और इसके लिए डेढ़ करोड़ रुपये भी स्वीकृत कर दिए गए हैं ।...(व्यवधान)

11.22 hrs

(*At this stage,* Shri Kodikunnil Suresh *and some other hon. Members Came and stood on the floor near the Table.*)

SHRI KESINENI SRINIVAS : Sir, I appreciate the growing demand for English language to make our youth world-class professionals so that they can succeed in global competitive market. But, Sir, because of this more and more schools are shifting their language to English. … (*Interruptions*) For example, even the Government of Andhra Pradesh under the leadership of Mr. Jagan Mohan Reddy has made English the language of instruction in all the Government Schools compulsory and hence the attention given to Telugu is going down. …(*Interruptions*)

According to the All India Survey on Higher Education (2015-16), the total number of enrolments at PhD level in the discipline of Telugu literature is 167 out of nearly 7,000, which is just two per cent. So, in light of this, it is important to preserve the three-language formula as envisaged in the National Education Policy, 2019. …(*Interruptions*) So, I would like to know what steps the Ministry is taking so that equal focus is given to each language. Also, I would like to know what support the Ministry is giving to Telugu research and promotion so that more and more people enrol for PhD programmes in Telugu and further research on this great classical language to preserve it for our future generations. …(*Interruptions*)

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक: माननीय अध्यक्ष जी, जैसा कि मैंने पहले भी कहा कि सरकार भारतीय भाषाओं को सशक्त करने के प्रति सचेत और प्रयासरत है ।...(व्यवधान) जैसा कि माननीय सदस्य ने कहा, सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने तेलुगु भाषा की उन्नति के लिए हैदराबाद विश्वविद्यालय में तेलुगु शास्त्रीय भाषा केंद्र अनुमोदित किया है । वहीं अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, हैदराबाद विश्वविद्यालय और आंध्र प्रदेश के केंद्रीय विश्वविद्यालय में तेलुगु भाषा के पाठ्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं ताकि तेलुगु भाषियों की संख्या में और बढ़ोतरी हो सके और इस भाषा को और सशक्त तरीके से मजबूती दी जा सके ।...(व्यवधान)

SHRI T. R. BAALU: …(*Interruptions*)

SHRI RAGHU RAMA KRISHNA RAJU : Hon. Speaker, Sir, I would like to take this opportunity to speak about my sweet Telugu language. …(*Interruptions*) In the year, 1968, the then Chief Minister, and later the Prime Minister, P.V. Narasimha Rao Ji had come up with a Telugu Academy which had been running very well till 2014. …(*Interruptions*) After the State's bifurcation, this Telugu Academy is continuing in Telangana and for the last five years, there is no Telugu Academy in the separated State of Andhra Pradesh.

After our hon. Chief Minister Shri Jaganmohan Reddyji has taken charge, we have come up with a Telugu Academy by appointing Shrimati Lakshmi Parvathi, the wife of late Telugu pride N.T. Rama Rao garu, the Chairperson of the Telugu Academy but we are yet to get the funds, which is a part of the Tenth Schedule to the Andhra Pradesh Reorganisation Act. A couple of hundreds of crores of rupees is there in the Hyderabad kitty. I would like to know from the hon. Minister what

initiatives are taken by the Government to get the funds divided in the ratio of 58:42 and do justice by giving our funds back. We want to develop the ancient Telugu language as a great cultural heritage. The kind support of the hon. Human Resource Development Minister, the hon. Prime Minister and every one is solicited to preserve our language. Even Articles 350 and 350A clearly deal with languages and the importance of languages. I would submit to the august House to give all support for the development of our Telugu language.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक: श्रीमन्, वर्ष 2014 में आन्ध्र प्रदेश के विभाजन के बाद यह संस्थान स्वीकृत हुआ था और मैसूर में चल रहा था ।...(व्यवधान) जैसा माननीय सदस्य ने कहा है, उनकी भावना का सम्मान करते हुए, अब उसे मैसूर से आन्ध्र प्रदेश में शिफ्ट कर दिया गया है और उसके लिए बजट का भी आबंटन किया गया है । ...(व्यवधान) तेलुगु भाषा को सशक्त करने के लिए सरकार पूरी ताकत के साथ कोशिश करेगी । ...(व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री; कोयला मंत्री तथा खान मंत्री (श्री प्रहलाद जोशी) : अध्यक्ष जी, मैं अपील करता हूं । ...(व्यवधान) माननीय सदस्यगण, पहले मेरी बात सुन लीजिए । ...(व्यवधान) स्पीकर साहब, आपने बहुत सक्षमता से, सबको विश्वास में लेते हुए लास्ट सेशन बहुत अच्छे ढंग से चलाया है । इसके कारण देश में संसद की गरिमा भी बढ़ गई है । ...(व्यवधान) इसलिए मैं अपील करता हूं कि जो भी मुद्दे हैं, माननीय प्रधान मंत्री जी सहित हम सभी ने कल अपोजिशन से कहा है कि हम कोई भी मुद्दा डिसकस करने के लिए तैयार हैं । ...(व्यवधान) बीएसी में आपके निर्देश के अनुसार निर्णय होने दीजिए, बीएसी में आप जो निर्णय करेंगे, ...(व्यवधान) This is your jurisdiction, Sir. Whatever you decide, the Government is ready to discuss. We are ready to discuss it. Even other matters, let them raise it in the 'Zero Hour'. Let the Question

Hour continue. With folded hands, I appeal to you. …(व्यवधान) जो भी मुद्दा हो, नियम के अनुसार उस पर चर्चा करने के लिए सरकार तैयार है । … (व्यवधान) प्रधान मंत्री जी ने स्वयं आश्वासन दिया है, इसलिए मैं निवेदन करता हूं कि सरकार रेडी है, तैयार है ।…(व्यवधान) Let the hon. Speaker decide what to discuss under the rule; the Government is ready; please co-operate. आपकी आवाज के कारण पार्लियामेंट के सदस्यों का जो हक है, the Question Hour is the right of the Members. Please do not disturb that. I appeal to you. We are ready for any discussion. Please go to your seats. …(व्यवधान)

(Q. 2)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, पूरक प्रश्न पूछिए ।

श्री संजय काका पाटील : अध्यक्ष जी, मुझे अपने प्रश्न का जवाब मिल गया है ।…(व्यवधान) जवाब ठीक है ।…(व्यवधान)

श्री रवि किशन : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय के उत्तर से पता चलता है कि वर्तमान केन्द्र सरकार के पास कलाकारों का डेटाबेस नहीं है ।… (व्यवधान) मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहूंगा कि ऐसा एक डेटाबेस बने, क्योंकि मैं इसी फील्ड से आता हूं, कलाकारों की फील्ड से । …(व्यवधान) मैं बड़ा भाग्यशाली रहा कि मैं इस जीवन में कुछ बन गया, लेकिन हर विधा में ऐसे कितने कलाकार हैं, जो अंधेरे की दुनिया में रहते हैं, जिनके पास इलाज के लिए पैसे नहीं हैं, जिनके पास स्वयं के लिए मकान नहीं है और उनकी मृत्यु हो जाती है । वे न पैसा कमा पाते हैं, न नाम ।…(व्यवधान) उन्होंने अपने देश को 24 घण्टे एंटरटेन किया, आनन्द दिया । मैं आपके माध्यम से

सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि आने वाले समय में सरकार एक डेटाबेस बनाकर ऐसा कार्यक्रम तैयार करे, जिसमें उन कलाकारों के स्वास्थ्य के लिए बीमा हो, उनका जीवन बीमा हो, उनको सस्ती किस्तों पर मकान मिले, उनको कहीं पर ऐसी जमीन मुहैया हो, जहां उनको आराम से मकान मिल सके ।... (व्यवधान) कलाकारों के जीवन में कला के अलावा कुछ नहीं है, इसलिए मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि सरकार यदि इस विषय पर सोचती है या गौर करती है, तो बड़ी कृपा होगी ।...(व्यवधान) इससे कलाकारों का जीवन सफल हो जाएगा और कलाकार प्रोत्साहित होंगे । कलाकारों का समुदाय भारतवर्ष में बहुत बड़ा समुदाय है ।...(व्यवधान)

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल : अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य ने अच्छा सुझाव दिया है । इस सुझाव पर संबंधित मंत्रालय विचार करेगा, लेकिन मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि हमें जानकारी है और हमारी जानकारी के मुताबिक 13,43,130 कलाकारों का पंजीयन है ।...(व्यवधान) हमारे पास योजना जरूर है, लेकिन कोई कानूनी प्रावधान नहीं है । यह योजना पिछले दो वर्षों से ज्यादा समय से चल रही है । हम योजना को गति देने की कोशिश करेंगे कि देश के सभी कलाकारों का पंजीयन समय-सीमा में हो जाए और आगे की जो कार्यवाही करने का जो सुझाव है, वह संबंधित मंत्रालय देखेगा ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मनीष तिवारी जी ।

...(व्यवधान)

DR. JAYANTA KUMAR ROY : Sir, I would like to know whether the Government is planning to conduct district wise, State wise and nation wise cultural competitions every year to promote cultural activities throughout the country and to provide artists with jobs or any other incentives for their extraordinary performances at State level and country level. ...(व्यवधान)

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल : महोदय, माननीय सदस्य का प्रश्न इस प्रश्न से संबंधित नहीं है, लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि हमारी बहुत-सी स्कीम्स हैं । उन स्कीम्स की जानकारी उन्हें साइट पर मिल सकती है ।...(व्यवधान)

श्री मनोज तिवारी : अध्यक्ष जी, हमारे देश के कलाकारों का अलग-अलग कार्यक्रमों में आना होता है । हमारे देश में ऐसी व्यवस्था है कि उन्हें स्कॉलरशिप मिलेगी और उन्हें छात्रवृत्ति भी मिलेगी । ऐसे कलाकारों की परिभाषा क्या है, इसे संस्कृति मंत्रालय स्पष्ट करे । कलाकारों को स्कॉलरशिप के साथ-साथ पेंशन भी मिलती है । अभी कलाकारों की परिभाषा तय नहीं है ।...(व्यवधान) माननीय मंत्री जी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं । कलाकारों का कैसे चयन हो और उनकी क्या परिभाषा है, इसे बताने की कृपा करें?

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल : अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य का प्रश्न इस प्रश्न से संबंधित नहीं है, लेकिन मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि हमारे यहां जो पेंशन का प्रावधान है, वह आयु के हिसाब से है । कलाकार की परिभाषा हमारे सीनियर कलाकार ही तय करते हैं ।...(व्यवधान) यदि उनका कोई सुझाव होगा, तो निश्चित रूप से उनसे मैं सुझाव लेना चाहूंगा ।...(व्यवधान)

(Q. 3)

सुश्री प्रतिमा भौमिक: अध्यक्ष जी, मेरा प्रश्न है कि क्या सरकार देश में स्टील के स्क्रैप के लिए कोई नीति बनाएगी और यदि बनाएगी, तो उसका क्या प्रारूप होगा ? हमारे देश में नीति बनाने के बाद क्या कोई सेंटर खोलने का इरादा है या नहीं है? ...(व्यवधान)

श्री धर्मेन्द्र प्रधान : महोदय, भारत में स्क्रैप की आवश्यकता दिनों दिन बढ़ रही है । वर्ष 2030 के लक्ष्य में जो हमारी वर्ष 2017 की स्टील पालिसी है, उसमें ही

हमने कई प्रकार के रॉ मैटीरियल उपलब्ध कराने की योजना बनाई है ।... (व्यवधान) पहली बार 7 नवम्बर, 2019 को नई स्क्रैप पालिसी आई है ।... (व्यवधान) अन्य संबंधित विभाग भी उस काम में जुड़े हैं । आने वाले दिनों में भारत में स्क्रैप की उपलब्धता बढ़े और हमें इम्पोर्ट कम करना पड़े, इसकी व्यापक योजना सरकार बना रही है ।...(व्यवधान)

सुश्री प्रतिमा भौमिक : माननीय अध्यक्ष जी, इसी संदर्भ में मैं जानना चाहती हूं कि जो हमारा नॉर्थ-ईस्ट है, उसमें अगर हम लोगों की जमीन में ज्यादा खार होता है, स्टील के स्क्रैप का उस जमीन में उपयोग किया जाए तो वह कृषि के लिए अच्छा रहेगा ।...(व्यवधान)

श्री धर्मेन्द्र प्रधान : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को बताना चाहूंगा कि स्टील स्क्रैप उसमें शायद उतना संबंध नहीं रखता है, लेकिन स्लैग को डालने में जमीन की एसीडिटी खत्म होती है, मैं माननीय सदस्या जी को अलग से उस बारे में विस्तार से सूचना दूंगा ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अगर आप सदन में चर्चा करना चाहते हैं तो मैं हर विषय पर चर्चा कराने के लिए तैयार हूं । लेकिन आप सभी माननीय सदस्यगण सीट पर जाएं । यह सदन चर्चा, वाद-विवाद के लिए है । नारेबाजी के लिए नहीं है । मैं पुन: आपसे आग्रह कर रहा हूं । आप अपनी-अपनी सीट पर जाएं ।

...(व्यवधान)

11.37 hrs

(At this stage, Shri T.R. Baalu and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.)

(Q. 4)

श्री विष्णु दयाल राम : माननीय अध्यक्ष जी, झारखंड राज्य में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं । यहां छोटी-बड़ी अनेक पर्वत श्रृंखलाएं हैं, जल प्रपात हैं, दर्जनों खदानें हैं । उपरोक्त स्थिति में, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या ईको टूरिज्म और ट्राईबल टूरिज्म के अलावा एडवेंचर टूरिज्म जैसे रॉफ्टिंग, रॉक-क्लाइंबिंग, लाँग स्लिंग रैपिलिंग है और आस्ट्रेलिया की तर्ज पर क्या माइनिंग ट्यूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सरकार की कोई योजना है? ...(व्यवधान) यदि है तो माननीय मंत्री जी कृपया करके उसके बारे में विस्तार से बताएं ।...(व्यवधान)

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल : माननीय अध्यक्ष जी, मैंने जो उत्तर में कहा था, वह माननीय सदस्य को मालूम भी है कि वहां पर ईको ट्यूरिज्म का काम चल रहा है, आध्यात्मिक सृजन का भी वहां पर काम चल रहा है । 'प्रसाद' योजना में देवघर भी एक बड़ा केन्द्र है ।...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य से कहना चाहता हूं कि योजनाएं जब पहले पूरी हो जाएं तब हम दूसरी योजना को लेंगे । राज्य सरकार जो प्रस्ताव देगी, जो माननीय सदस्य देंगे, उस पर मैं जरूर सकारात्मक रूप से विचार करूंगा । ...(व्यवधान)

श्री विष्णु दयाल राम : माननीय अध्यक्ष जी, मेरा दूसरा पूरक प्रश्न मेरे संसदीय क्षेत्र से संबंधित है । मेरे संसदीय क्षेत्र के अन्तर्गत गढ़वा जिला में वंशीधर नगर है जहां पर राधा-कृष्ण की मूर्ति मराठों के जमाने की है । ...(व्यवधान) यह मूर्ति प्योर गोल्ड की बनी हुई है और इसका वजन 32 मन है ।...(व्यवधान) इस प्रकार की कोई भी मूर्ति दुनिया में अन्यत्र नहीं है । मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या वंशीधर नगर को श्रीकृष्ण सरकिट से जोड़ना चाहेंगे?...(व्यवधान)

श्री प्रहलाद सिंह पटेल : माननीय अध्यक्ष जी, पहले मैं उस मूर्ति के बारे में एएसआई से जानकारी लूंगा कि वह लिस्ट में है कि नहीं है । बाकी योजनाएं जब राज्य सरकार की आएंगी, तब हम काम कर पाएंगे । ...(व्यवधान) लेकिन जो माननीय सदस्य ने कहा है, उसकी जानकारी लेकर उनको जरूर दूंगा । ... (व्यवधान)

11.39 hrs

(At this stage Shri Arvind Sawant and some other hon. Members left the House.)

डॉ.निशिकांत दुबे : माननीय अध्यक्ष महोदय, झारखंड और खासकर आन्ध्र प्रदेश जो है, वह टूरिज्म के लिए रिसर्च का एक बड़ा विषय है । एक तरफ जहां मंदार पहाड़ है, दूसरी तरफ वहां 19 करोड़ साल पुराना फौसिल है और उसी तरह से चंपापुरी ऐसा स्थान है जहां पूज्य भगवान वासु जो जैन धर्म के हुए, उन्होंने वहीं निर्वाण प्राप्त किया था । ...(व्यवधान) पारसनाथ, देवघर, तारापी, त्रिकूट और मंदार, चंपापुरी और विक्रमशिला बटेश्वर स्थान का एक सरकिट बनाने के लिए वर्षों से मांग चल रही है और इससे झारखंड का टूरिज्म विकसित होगा जिससे लोग ज्यादा रोजगार प्राप्त कर पाएंगे । ...(व्यवधान) सिंगापुर और लंदन ऐसे देश हैं जहां दिखाई दे रहा है कि टूरिज्म से उनको काफी पैसा मिल रहा है लेकिन झारखंड सरकार यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट नहीं दे पा रही है ।... (व्यवधान) मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि यदि कोई राज्य टूरिज्म में इतना कंपीटेंट हो लेकिन यदि उसकी राज्य सरकार यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट नहीं दे पा रही है और पर्यटन विकसित नहीं हो पा रहा है तो क्या केन्द्र के पास कोई ऐसी योजना है कि डायरेक्ट वह पैसा देकर वहां के पर्यटन को बूस्ट-अप कर पाए?

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल : अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य का कहना ठीक है कि झारखंड प्राकृतिक रूप से, ऐतिहासिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण राज्य है ।...(व्यवधान) जैसा कि मैंने मूल प्रश्न में आपको बताया है कि वहां पर लगातार योजनाएं चल रही हैं ।...(व्यवधान) यह बात साफ है ।...(व्यवधान) सरकार यह चाहती है कि योजनाओं को समय पर पूरा करें, तब हम दूसरी योजना को स्वीकृत करें ।...(व्यवधान) लेकिन ऐसा नहीं है ।...(व्यवधान) अगर कोई प्रस्ताव होगा, कभी ऐसा होगा तो उस पर जरूर विचार करेंगे ।...(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल: अध्यक्ष महोदय, मैं आपका अत्यंत आभारी हूं कि आपने हमारी सरकार के द्वारा 'स्वदेश दर्शन' और 'प्रसाद' स्कीम के अंतर्गत देश के महत्वपूर्ण, स्पेसिफिक थीम के आधार पर पर्यटन को इंटीग्रेटेड बढ़ावा देने के लिए, यह कार्यक्रम हैं ।...(व्यवधान) आपने उस पर मुझे अनुपूरक प्रश्न पूछने का अवसर दिया है ।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, वर्ष 2014 और वर्ष 2015 में हमारी सरकार में 'स्वदेश दर्शन' और 'प्रसाद', दोनों स्कीम्स शुरू हुईं ।...(व्यवधान) उन्होंने पांच सर्किट्स स्पेसिफाइ किए हैं, उत्तर-पूर्व सर्किट, बुद्धिस्ट सर्किट, हिमालयन सर्किट, कोस्टल सर्किट और कृष्णा सर्किट ।...(व्यवधान) भारत की जीडीपी में 6.8 प्रतिशत का योगदान पर्यटन के माध्यम से, विदेशी मुद्रा के माध्यम से आता है ।...(व्यवधान)

मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि जो बुद्धिस्ट सर्किट सबसे महत्वपूर्ण है, उसमें माननीय मंत्री जी ने अपने उत्तर में कहा है कि Organisation of Biennial International Buddhist Conclave, तो वह पिछले दिनों काशी में हुआ था ।...(व्यवधान) मैं सौभाग्य से गौतम बुद्ध की जन्म स्थली कपिलवस्तु सिद्धार्थ नगर से आता हूं ।...(व्यवधान) क्या माननीय मंत्री जी, जो अगला इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कॉन्क्लेव होगा, उसको गौतम बुद्ध की जन्म स्थली कपिलवस्तु सिद्धार्थ नगर में करने का आश्वासन देने की कृपा करेंगे? बुद्धिस्ट सर्किट महत्वपूर्ण सारनाथ, कुशीनगर, कपिलवस्तु, श्रावस्ती और कौशाम्बी को जोड़ता है ।...(व्यवधान) इस बुद्धिस्ट सर्किट को आज घोषित करके इस पर पूरी

कनेक्टिविटी प्रोवाइड करने के लिए फोर लेन के संबंध में भी क्या मिनिस्ट्री ऑफ सरफेस ट्रांसपोर्ट के साथ एक नई पहल शुरू होगी?...(व्यवधान)

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल : माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को इस बात की पूर्व से जानकारी है कि हम ने श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु के लिए लगभग 100 करोड़ रुपये आबंटित किए थे ।...(व्यवधान) यह सही है कि वहां पर बिहार और उत्तर प्रदेश का बॉर्डर है ।...(व्यवधान) वहां पर फॉरेस्ट का एरिया होने के कारण, उसके कुछ हिस्सों में काम प्रारंभ नहीं हो पाया ।...(व्यवधान) मैं उनकी बात से सहमत हूं, सरकार उस बात के लिए गंभीर है ।...(व्यवधान) जो बात उन्होंने एनएचएआई की कही है, वह भी कोशिश करें और हम भी चाहते हैं कि कनेक्टिविटी बढ़े ।...(व्यवधान) जब भी हम सर्किट पर काम करते हैं तो हमेशा महत्वपूर्ण होता है कि हम उस कनेक्टिविटी को पूरा करें ।...(व्यवधान)

उन्होंने जो दूसरी बात कही है, उसके लिए मैं सदन में इस लिए आश्वासन नहीं दे पाऊंगा, क्योंकि वास्तव में हमारे जो भी उद्देश्य हैं, हमें महाबोधि संस्थान के लोगों के साथ बैठ कर कोई स्थान और तारीख तय करनी पड़ती है ।...(व्यवधान) वह महत्वपूर्ण स्थान है ।...(व्यवधान) अगर माननीय सदस्य उसमें कोई सुझाव बाद में देंगे तो अच्छा रहेगा ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री एम. के. राघवन - उपस्थित नहीं ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री टी. एन. प्रथापन - उपस्थित नहीं ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री प्रतापराव जाधव - उपस्थित नहीं ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : डॉ. टी.आर. पारिवेन्धर - उपस्थित नहीं ।

…(व्यवधान)

SHRI B. B. PATIL: Hon. Speaker, Sir, through you, I would like to ask the hon. Minister that a concept presentation on development of spiritual tourism circuit in Sangareddy—Kamareddy—Medak districts of Telangana State was submitted in the Tourism Ministry under Swadesh Darshan Scheme in February, 2019. …(*Interruptions*)

I would like to know as to what action has been taken in this regard as of now. …(*Interruptions*)

I would also like to know the time-frame by which the Spiritual Tourism Circuit in Sangareddy—Kamareddy—Medak districts of Telangana State would be completed. …(*Interruptions*)

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल : माननीय अध्यक्ष महोदय, तेलंगाना राज्य में सर्किट के रूप में काम किया गया था ।…(व्यवधान) वहां पर पैसा आवंटित है ।…(व्यवधान) लेकिन प्रसाद स्कीम और उस सर्किट में कुछ काम शुरू हुए हैं ।…(व्यवधान) वह दूसरे चरण की अपेक्षा कर रहे हैं तो मैं उनसे कहूंगा कि पहला काम पूरा होने के बाद ही हम किसी स्वदेश दर्शन की स्कीम में पैसा दे पाएंगे ।…(व्यवधान) राज्य सरकार हमें यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट भेजेगी, तो हम नए कामों को जरूर लेंगे ।…(व्यवधान)

श्री राहुल कस्वां : माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रदेश दर्शन और प्रसाद स्कीम्स हैं । …(व्यवधान) जब हम इन योजनाओं को अपने जिले में इम्प्लिमेंट करते हैं तो उनकी मॉनिटरिंग का एक बहुत बड़ा इश्यू होता है । कहीं-न-कहीं यह बात देखी जाती है कि स्टेट गवर्नमेंट्स 'यूसीज़' को रिलीज नहीं करती हैं ।…(व्यवधान) एक सांसद होने के नाते मैं कहना चाहता हूँ कि जो 'दिशा' कमेटी बनी हुई है, जितनी स्कीम्स हमारे डिस्ट्रिक्ट्स में चल रही हैं, क्या उनको मॉनिटर करने के लिए हमें कोई पावर देने की बात करेंगे? …(व्यवधान)

मेरे संसदीय क्षेत्र के तहत सालासर में 'प्रसाद' स्कीम के तहत पैसे रिलीज हुए, लेकिन यह किस काम के लिए रिलीज हुआ, यह आज तक पता नहीं चल पाया, क्या वह काम पूरा हुआ? एक सांसद होने के नाते मुझे उसकी खबर तक नहीं मिली । ...(व्यवधान)

इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि इसके बारे में आप कुछ बताएँ ।... (व्यवधान)

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल: माननीय अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार की जो भी स्कीम्स हैं, वे 'दिशा' की परिधि में आती हैं । ...(व्यवधान) माननीय सदस्य से मैं कहूँगा कि अगर इसमें कोई व्यवधान है, उसके बारे में वे हमें बताएंगे, तो हम निश्चित रूप से मंत्रालय की ओर से वहाँ के डीएम को सूचना भेजने की कोशिश करेंगे ।...(व्यवधान)

श्री राजेन्द्र अग्रवाल : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि जो 'श्री कृष्ण' सर्किट है, उसमें अभी मथुरा, द्वारिका और कुरुक्षेत्र है, लेकिन उसमें हस्तिनापुर नहीं है ।...(व्यवधान) हस्तिनापुर को उसके अंदर होना चाहिए, क्योंकि हस्तिनापुर का स्थान भगवान श्री कृष्ण के सम्पूर्ण जीवन में बहुत ही महत्त्व रखता है ।...(व्यवधान)

इसलिए मेरा यह अनुरोध है और मेरा सवाल भी है कि क्या हस्तिनापुर को 'श्री कृष्ण' सर्किट में जोड़ने का विचार सरकार का है या उसे उसमें जोड़ने वाले हैं? कृपया मंत्री जी इस संबंध में उत्तर दें ।...(व्यवधान)

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल: माननीय अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य का सुझाव अच्छा है । मैं इस सुझाव पर जरूर विचार करूँगा ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: श्री के. नवासखनी ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: श्री सुरेश नारायण धानोरकर ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय वित्त मंत्री जी, आप अपना जवाब सदन में दे दें ।

…(व्यवधान)

(Q. 5)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर : सर, प्रश्न का उत्तर लिखित रूप में दे दिया गया है । इसके अलावा अगर किन्हीं का प्रश्न है, तो उसका उत्तर मैं देने के लिए तैयार हूँ । …(व्यवधान)

SHRIMATI PRATIMA MONDAL: Hon. Speaker Sir, I thank you for giving me a chance to put a supplementary on this important issue.

I would like to know from the hon. Minister, through you, about the steps taken by the Government to prevent further slump in the GDP.

श्री अनुराग सिंह ठाकुर: माननीय अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य ने बहुत ही महत्त्वपूर्ण प्रश्न पूछा है । …(व्यवधान) इस सरकार ने ऐसे कौन-से कदम उठाए हैं, या उठाने वाले हैं, जिससे अर्थव्यवस्था में सुधार हो, इसमें गिरावट न आए । अगर मैं पिछले चार महीने की बात करूँ या पिछले पाँच वर्षों की बात भी करूँ, तो भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था भी थी, वर्ष 2014 से 2019 तक एवरेज ग्रोथ रेट 7.5 फीसदी रही ।…(व्यवधान) उस समय बड़े कदम भी उठाए गए । आज जब दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं में मंदी देखी जाती है, पिछले वर्ष विकास दर 3.8 पर्सेंट से कम होकर 3.6 पर्सेंट रही । इस साल दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं में कमी होकर लगभग तीन पर्सेंट की ग्रोथ रेट होगी ।…(व्यवधान) इसके बावजूद, वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक ने जो कहा है, उसके अनुसार हमारी ग्रोथ रेट आज भी दुनिया भर में सबसे तेजी से बढ़ने वाली

अर्थव्यवस्थाओं में रहेगी । लेकिन सरकार ने इसमें क्या-क्या कदम उठाए हैं, उनके बारे में मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को जरूर बताना चाहता हूँ । …(व्यवधान)

बड़े कदमों में एक कदम यह भी है कि बैंकों का मर्जर हुआ, जिसके बारे में आज से 27 वर्ष पहले कहा गया था ।…(व्यवधान) वह किसी ने नहीं किया, लेकिन इसके लिए हमने कदम उठाए हैं । जो 10 पब्लिक सेक्टर बैंक्स हैं, वे मात्र चार एनटिटीज में सीमित होकर रह जाएंगे । इससे उनकी क्षमता बढ़ेगी और वे पैसे भी आगे दे पाएंगे ।…(व्यवधान)

एफडीआई लाने के लिए और भी प्रावधान और सुधार किए गए हैं । रिकॉर्ड एफडीआई भारत में आए, इसके लिए प्रावधान भी किए गए हैं और रिकॉर्ड एफडीआई आई भी है । अगर हम माइक्रो इकोनॉमिक इन्डिकेटर्स की बात करें, फिस्कल डेफिसेट की बात करें, इन्फ्लेशन की बात करें, करंट अकाउंट डेफिसेट की बात करें, ये सब भी साफ दिखाते हैं कि सरकार ने सही दिशा में कदम उठाए हैं और उसके अनुरूप सारी चीज़ें बिलकुल ठीक हैं । इसके अलावा इन्सॉलवेन्सी एंड बैंकरप्ट्सी कोड, जिसके कारण पैसा वापस लाना, जिस पैसे की शायद कभी वापस आने की उम्मीद नहीं थी, वह लाखों-करोड़ों रुपये भी सरकारी खजाने में वापस आए हैं ।

आदरणीय अध्यक्ष जी, फ्यूजिटिव इकोनॉमिक ऑफेंडर्स बिल भी पिछली सरकार में एक महत्वपूर्ण कदम था । इसके कारण जो पैसा लेकर भगोड़े चले गए थे, उनसे वह पैसा वापस लाने के लिए पुन: प्रयास हुए । अब बड़ा कदम, जो 20 तारीख को उठाया गया था, वह एक ऐसा कदम था जिसको वर्ष 1991 के बाद कहते हैं कि वह सबसे बड़े इकोनॉमिक रिफॉर्म के रूप में किया गया । जो नई कंपनी भारत में मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में आएगी, भारत में रजिस्टर्ड होगी, उसको 30 परसेंट टैक्स नहीं देना पड़ेगा, उसको मात्र 15 परसेंट टैक्स देना

पड़ेगा । यह कदम भी यदि किसी ने उठाया तो नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने कर के दिखाया है, जो अपने आप में बड़ा ऐतिहासिक कदम है । हमने पिछले बजट में, माननीय वित्त मंत्री जी ने, जो हमारी भारत की कंपनियां हैं, जिन्हें हम एसएमईज़ – स्मॉल एंड मीडियम-साइज़्ड एंटरप्राइजेज़ भी कहते हैं, उनकी कैप भी 250 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 400 करोड़ रुपये की और उनको भी केवल 25 परसेंट टैक्स देना पड़ता है ।

जो उससे बाहर की कंपनियां रह गई थीं, अब उनके लिए भी टैक्स को 30 परसेंट से कम कर के मात्र 22 परसेंट किया गया है । इससे उनकी बचत भी होगी, वे कंपनियां निवेश भी करेंगी और लोगों को रोज़गार भी मिलेगा और हमारी विकास दर में बढ़ोतरी भी होगी ।

डॉ. संजय जायसवाल : अध्यक्ष महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद ।

महोदय, माननीय मंत्री जी ने बहुत ही अच्छा जवाब दिया है । मैं वित्त मंत्रालय को और माननीय प्रधान मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं, जिस तरह से नए उद्योगों को खोलने का उन्होंने जो प्रोत्साहन दिया और विश्व में नए उद्योगों पर सबसे कम टैक्स करने का भारत ने निर्णय किया, इससे बहुत सारे नए युवाओं को रोज़गार मिलेगा । मेरा प्रश्न माननीय मंत्री जी से है कि जिस तरह उन्होंने भगोड़ों के खिलाफ कार्रवाई की है, उसके लिए मैं उनको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं । बहुत सारी रेवड़ियां बांटी गई थीं, जिनको आईबीसी कोड और दूसरे कानूनों के माध्यम से इन्होंने पकड़ा है, लेकिन बहुत सारी ऐसी इन्डस्ट्रीज़ हैं, जिनके यहां प्राकृतिक आपदा आई थी । जैसे 'सुनामी' आई थी या वर्ष 2017 में बिहार में बाढ़ आई थी । इसके चलते भी बहुत सारे उद्योग डिफॉल्टर हो गए । ऐसे उद्योग विगत 15-20 वर्षों से बिलकुल सही-सही काम कर रहे थे, सरकार को, बैंकों को सही अंशदान दे रहे थे, लेकिन अचानक बाढ़ आने से या 'सुनामी' आने से वे उद्योग प्रभावित हुए । वे उद्योग इन्टेन्शनल डिफॉल्टर नहीं हैं, क्योंकि पूरे भारत में यह सबूत है कि वहां बाढ़ आई थी या सुनामी आई थी ।

इसलिए, इस तरह के उद्योगों को फिर से वापस मुख्य धारा में लाया जा सके, क्या इसके लिए वित्त मंत्रालय कोई काम कर रहा है?

श्री अनुराग सिंह ठाकुर : माननीय अध्यक्ष जी, माननीय सांसद बहुत ही वरिष्ठ सदस्य भी हैं और जो मुद्दा इन्होंने उठाया है, वह बहुत गंभीर भी है । आपदा आने के कारण अगर किसी के उद्योग को नुकसान पहुंचता है तो वह केवल उद्योग के मालिक या उससे जुड़े व्यक्तियों को नहीं, बल्कि उसमें काम करने वाले सैकड़ों-हजारों लोगों को भी प्रभावित करता है ।

आखिरकार, यह आपदा तो उस इन्डस्ट्री के हाथ में नहीं थी, लेकिन उस मुसीबत में जब उसके व्यापार को धक्का पहुंचता है तो सरकार उसमें क्या सहयोग कर सकती है । बहुत सारे क्षेत्रों में, जहां रिटर्न फाइल करने की बात थी, सरकार ने वहां पर सहयोग भी किया । जहां उद्यागों पर बैंकों ने और सख्ती की, हालांकि हम बैंकों को सीधे तौर पर निर्देश नहीं दे सकते हैं, लेकिन उसके बावजूद एक रुख, जो आरबीआई की गाइडलाइंस के बावजूद भी है कि जिन स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज़ की 25 करोड़ रुपये तक की लिमिट है, उनकी रीस्ट्रक्चरिंग करने का जो प्रावधान है, उनके अनुसार अगर बैंक थोड़ी सी राहत देंगे तो ऐसे उद्योगों के बचने का और वापस खड़े होकर आगे बढ़ने का भी अवसर मिलेगा । इस दिशा में माननीय वित्त मंत्री जी ने पहले भी कदम उठाए थे और इसके बारे में निर्णय भी लिया था ।

माननीय अध्यक्ष: श्री भगवंत मान जी ।

श्री भगवंत मान : बहुत-बहुत धन्यवाद स्पीकर साहब । मैं माननीय वित्त मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि जी.डी.पी. में 5 परसेंट का को स्लम्प आया है, इसकी वजह से जो ओवरऑल परसेप्शन है कि देश आर्थिक मंदी से गुजर रहा है, लेकिन सरकार कुछ और बोल रही है । जमीन पर हालात कुछ और हैं । आर.बी.आई. के डायरेक्टर ने भी कहा है कि बिजनेस में विश्वास नहीं रहा । क्या सरकार यह मानने को तैयार है कि देश आर्थिक मंदी से गुजर रहा है, क्योंकि सरकार कुछ और आंकड़े दे रही है और रियलिटी कुछ और है? क्या वित्त मंत्री साहब मुझे बताने का कष्ट करेंगे कि क्या सरकार यह मानने को तैयार है कि देश आर्थिक मंदी से गुजर रहा है? …(व्यवधान)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर : माननीय अध्यक्ष जी, पहले तो मैं यह कह दूं कि 5 परसेंट स्लम्प नहीं है । विकास दर क्या है? शायद वे यह कहना चाहते होंगे । … (व्यवधान) मैं इनसे जानना भी चाहता हूं कि आर.बी.आई. के कौन से गवर्नर ने यह कहा है?

माननीय अध्यक्ष : प्रश्न संख्या 6 - श्री गौरव गोगोई ।

माननीय सदस्य, कृपया अपनी सीट पर जाकर प्रश्न पूछें ।

माननीय मंत्री जी ।

…(<u>व्यवधान</u>)

(Q 6)

THE MINISTER OF TRIBAL AFFAIRS (SHRI ARJUN MUNDA):

(a) to (c) A statement is laid on the Table of the House.

माननीय अध्यक्ष : प्रश्न संख्या 7- श्री एन.के.प्रेमचन्द्रन जी ।

माननीय मंत्री जी ।

(Q. 7)

SHRI N. K. PREMACHANDRAN: Sir, I am not in a position to ask any supplementary question because the House is not in order. … (*Interruptions*). Dr. Farooq Abdullah, a very learned and senior Member of the House, is not present in the House. I am not able to ask any supplementary question. …(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, आप इससे संबंधित प्रश्न पूछें ।

…(<u>व्यवधान</u>)

SHRI N. K. PREMACHANDRAN : It is quite unfortunate that we are not able to ask supplementary questions. …(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : प्रो. सौगत राय जी । क्या आप सप्लिमेंट्री प्रश्न पूछना चाहते हैं?

…(<u>व्यवधान</u>)

प्रो. सौगत राय : माननीय मंत्री जी ने जो जवाब दिया है, उसमें कोई तथ्य नहीं है । आज आईएमएफ ने बोला कि India's growth forecast is 6.1 per cent. मूडीज ने इसे डाउनग्रेड कर दिया । Our Index of Industrial Production is at -1.1 per cent. I want to ask the hon. Minister कि यह जो स्लो डाउन है, इसके लिए नवम्बर, 2016 का जो डिमोनिटाइजेशन का सिद्धांत था, क्या वह रिस्पाँसिबल है? क्या इसीलिए इकोनॉमी में रुपये की शॉर्टेज है । इसके बारे में क्या कर रहे हैं? सरकार के सामने जब भी यह सवाल उठाया जाता है, वह कश्मीर बोल देती है, राम मन्दिर बोल देती है । कोई जवाब नहीं देती है कि इकोनॉमी क्यों इतनी खराब है ।

माननीय अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी । कृपया दादा के सवाल का जवाब दें ।

श्री अनुराग सिंह ठाकुर : मुझे लगा था कि कालेधन के खिलाफ जो कड़ा प्रहार आज तक कोई सरकार नहीं कर पाई थी, वह करने की क्षमता और साहस अगर किसी में था, तो वह नरेन्द्र मोदी जी की सरकार में था और हमने वह करके

दिखाया है । उसको देश ने सराहा । …(व्यवधान) देश के ईमानदार व्यक्ति ने टैक्स अदा करके देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान किया है । इससे तृणमूल कांग्रेस या माननीय सदस्य शायद सहमत न हों, लेकिन मैं इनके ध्यान में लाना चाहता हूं कि जो टैक्स पेयर्स थे, उनकी संख्या डिमोनिटाइजेशन के बाद लगभग दुगुनी हुई है । देश की जो डायरेक्ट टैक्स की रेवेन्यू कलेक्शन लगभग दुगुनी हुई, वह भी इसी कारण हुई है । यह देश के विकास में एक बहुत बड़ा कदम था, जो लम्बे समय तक इस देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने वाला एक बहुत बड़ा निर्णय सिद्ध होगा । मुझे पूर्ण विश्वास है कि सरकार ने जो कदम उठाए, जिसमें ईज ऑफ डूइंग बिजनेस भी है, हम 142वें स्थान से बढ़कर 63वें स्थान पर आए हैं । यह लगातार रिफॉर्म आज नरेन्द्र मोदी जी की सरकार के कारण हो पाया है । दुनिया मंदी से गुजर रही है, लेकिन साथ ही साथ यह भी कहा गया कि जहां अमेरिका पिछले साल 2.9 परसेंट, चाइना 6.1 परसेंट, भारत 6.8 परसेंट था ।

इस साल भारत के लिए दुनिया भर ने कहा है कि भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था होगी …(व्यवधान) हमारे कदम भी उसी दिशा में उठाए गए हैं कि इनवेस्टमेंट सबसे ज्यादा हो । कोरपोरेट टैक्स को 30 परसेंट से 15 परसेंट किया गया ताकि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनें और भारत वर्ष 2025 तक बनेगा, यह हमारा संकल्प है और हम करके देंगे । …(व्यवधान)

12.00 hrs